नोखा में दलित छात्रा की मौत की तथ्यात्मक रिपोर्ट

नेशनल कान्फेडेरेशन ऑफ ह्यूमन राईटस आर्गोनाईजेशन

(राजस्थान ईकाई)

State Office : 7,Hanuman Nagar Extn.,Vishnu Marg, Sirsi Road Jaipur-302021 Rajasthan
Mob: +91 9828627537,08955994260 Email: nchro.raj@gmail.com web: www.nchro.org

Ukk[kk e: nfyr Nk=k dh ekSr dh rF;kRed fjikVZ

फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्य :

vUlkj bnzkjh] Mk- dYiuk] egcc vyh]vCnqy ubZeA

बाडमेर के गरडारोड निवासी छात्रा डेल्टा बहुत से सपने लेकर छोटे से गांव से निकली थी। नोखा स्थित जैन आदर्श कन्या शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान में बीएसटीसी करने पहुंची थी। घरवाले भी खुश थे की चलो बेटी पढ़ कर अपने पैरो पर खड़ी होगी अपने घर वालो का नाम रोशन करेगी लेकिन उस लड़की के सपने हकीकत बनने से पहले ही टूट गए घरवालों की खुशियां मातम में तब्दील हो गई आज उस लड़की के घर में मायूसी का अँधेरा है। पूरा परिवार सदमे में है। लड़की का शव जिस कॉलेज में वो पढ़ती थी उसी के परिसर में मिला

मामले की हकीकत को जानने के लिए हमारे संगठन की एक टीम नोखा पहुंची। टीम ने पुलिस अधिकारीयों,कॉलेज प्रबंधन,छात्रा की सेहलियों ,कॉलेज के स्टाफ और मेघवाल समाज के लोगो से बातचीत करके तथ्य जुटाए।

29.03.2016 को इतला मिली कि आदर्श कन्या शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान नोखा के हॉस्टल में 17 वर्षीय डेल्टा नामक छात्रा की लाश संदिग्ध स्थित में हॉस्टल के पिछवाड़े के पानी के टेंक में (जिसके ढक्कन की साईज 18” × 18” Inch थी) को मृत अवस्था में थाना नोखा के पुलिस कर्मचारियों द्वारा निकाली गई एवं नगर निगम की कचरा ट्रोली जिसमें क्षेत्र के गन्दे कचरे को शहर से बाहर फेंका जाता है, में डालकर स्थानीय अस्पताल में वास्ते पी0एम0 हेतु भिजवाई गई । छात्रा के परिजनों ने पुलिस को तहरीरी रिपोर्ट दी कि छात्रा को शारीरिक शिक्षक विजेन्द्र सिंह ने अपनी हवस का शिकार बनाकर उसकी हत्या कर लाश को पानी के टेंक में फेंका और अपने गुनाह को छुपाने के लिए आत्महत्या की कहानी बनाकर प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास किया।

नेशनल कान्फेडेरेशन ऑफ ह्यूमन राईटस आर्गोनाईजेशन के प्रदेश अध्यक्ष आर0के0 आंकोदिया के आदेशानुसार उपरोक्त वर्णित कांड की फेक्ट एण्ड फाईडिंग (तथ्यात्मतक) रिपोर्ट बनाने हेतु एनसीएचआरओ की एक टीम को घटना स्थल का दौरा कर वस्तु स्थिति के लिए 01.04.2016 को भेजा गया ।

एनसीएचआरओ की यह टीम प्रदेश सचिव अन्सार इन्दौरी के नेतृत्व में सुबह 10 बजे डॉ. कल्पना बेगू, मेहबूब अली चितौड़ व अब्दुल नईम कोटा के साथ नोखा पहुंची – स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता जुगल हटीला को भी टीम ने अपने साथ लिया एवं सबसे पहले थाना नोखा में वस्तु स्थिति से अवगत होने के लिये जांच अधिकारी श्री सतनाम सिंह एडीशनल एस.पी. व इनके साथ जांच में सहयोग कर रही प्रक्षिशु पूजा यादव आईपीएस से उनके चेम्बर में मुलाकात करने पहुंची – काफी देर तक बैठे रहने के बाद जब एएसपी द्वारा टीम को तवज्जो न दी गई तो टीम का नेतृत्व कर रहे प्रदेश सचिव अन्सार इन्दौरी ने निवेदन किया कि श्रीमान् हमें 10 मिनट का समय दीजिए ताकि घटना की विवेचना से हम सम्बन्धित पक्षों से स्थिति से अवगत होकर किसी निष्कर्ष पर पहुंच सके।

जांच अधिकारी श्री सतनाम सिंह एडी. एस.पी. ने टीम को बताया कि संस्थान के किसी कर्मचारी द्वारा सूचित किया गया कि दिनांक 29.06.2016 को संस्थान में एक छात्रा ने पानी की टंकी में कूदकर आत्म हत्या कर ली।दोपहर लगभग 1 बजे थाने से दो आदमी कन्हैया लाल एवं सन्दीप ललित को घटना स्थल पर भेजा गया। पानी के टेंक से लाश निकाली गई और पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भेज दी गई । जांच अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट 31.मार्च को दोपहर में मिल गई है । लाश पर चोट के निशान है, फेफड़ो में पानी नहीं पाया गया है, कभी कभी ऐसा भी होता है कि डूबने वाले के गले की खाने की नली में किसी कारणवश दबाव होने से पानी व अन्य पदार्थ पेट में नहीं जा पाता।

हमने पीटीआई विजेन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया है दिनांक 01.04.2016 को न्यायालय में पेश कर पीसी लिया जायेगा विवेचन हेतु धारा 376, 3, SC ST, 506 Posco Act में जांच जारी है अभी 302 नहीं लगाई गई जिससे कि FSL Report आने पर ही निर्णय किया जायेगा कि यह धारा लगेगी या नहीं। संस्था का मुख्य कर्तादर्ता श्री ईश्वर चन्द वेध से कोई सम्पर्क नहीं हो रहा है अन्य व्यक्तियों से मालूम हुआ कि 28 मार्च की रात को 2 बजे लड़की पीटीआई के कमरे में मिली थी। दोनों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी नामा लिख दिया था। यह भी कहा कि लड़की व पीटीआई के बीच पिछले 2–3 महिनों से सम्पर्क होना सामने आ रहा है। मोबाइल की डिटेल निकलवाने की कोशिश की जा रही है। लड़की के पिता द्वारा 30 मार्च को लिखित रिपोर्ट दी गई उसी के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

(नोट – घटना 29 मार्च को घटित हुई 24 घण्टे गुजरने के बाद भी पुलिस ने कोई एफआईआर दर्ज नहीं की इतने समय में साक्ष्य मिटाये जा सकते हैं या घटना से सम्बन्धित व्यक्ति फरार हो सकता है या बनावटी कहानी तैयार कर सकते हैं।)

इसके बाद हमारी टीम कॉलेज परिसर में पहुंची वहां बीएड कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. राजेन्द्र श्रीमाली से उनके कार्यालय में मुलाकात हुई। प्रिंसीपल डॉ. राजेन्द्र श्रीमाली ने टीम को बताया कि चार यूनिट इस संस्थान में चल रही है जिनमें सीबीएससी का सीनियर सैकण्डरी स्कूल, एक डिग्री कॉलेज, एक बीएसटीसी कॉलेज और एक बीएड कॉलेज चल रहा है। पिछले 5–6 महिने से मैने बीएसटी कॉलेज का चार्ज भी सम्भाला हुआ है। डेल्टा नाम की छात्रा गराड़रोड बाड़मेर निवासी मेहन्द्राराम मेघवाल की बेटी थी। विजेन्द्र सिंह नाम के पीटीआई ने हमारे कॉलेज में चार महिने पहले ही ज्वाईन किया था, विजेन्द्र, प्रिया शुक्ला और इनके पति पी0पी0 शुक्ला का परिचित था। इस दम्पति की सिफारिश पर इसे यहां पोस्टिंग मिला। परिसर में एक बालिका छात्रावास के अलावा कुछ स्टाफ क्वार्टर भी हैं। उनमें से थोड़ी दूर पर ही ओर कमरे बने हुए है उसी में विजेन्द्र सिंह रह रहा था। विजेन्द्र सिंह शादी शुदा है लेकिन उसकी पत्नि अभी उसके साथ नहीं आई थी। मुझे 29 मार्च की रात्रि को हुई घटना की जानकारी 30 मार्च को लाश मिलने के बाद ही हुई। बालिका छात्रावास में कुल चार छात्राऐं ही होली की छुट्टी के बाद आई थी। प्रिया शुक्ला ही इस बालिका छात्रावास की वार्डन भी हैं। वही आपको वस्तु स्थिति से अवगत करा सकती है कि 29 मार्च व 30 मार्च को क्या क्या घटित हुआ।

इसके बाद प्रिंसीपल श्रीमाली ने चपरासी को भेजकर प्रिया शुक्ला को अपने कार्यालय में बुलवाया।

प्रिया शुक्ला ने बगैर सवाल किये ही स्वयं घटना की कहानी हमारी टीम के सामने बयान की। उन्होने कहा कि मैं बकायदा हॉस्टल वार्डन के पद पर नियुक्त नहीं हूं लेकिन संस्थान परिसर में स्टाफ क्वार्टर में रहने के कारण मुझे वार्डन का कार्य भी देखना होता है, 28मार्च को मुझे रात्रि 12बजे सूचना मिली कि डेल्टा नाम की लड़की हॉस्टल में नहीं है । हॉस्टल में उस समय सिर्फ चार छात्राये ही घर से छुट्टी मनाकर वापस आई थी। प्रिया शुक्ला ने नर्स के पद पर नियुक्त अन्य महिला लीला मेडम जो इन छात्राओं के साथ ही छात्रावास में निवास करती थी के जरिये बताया कि रात्रि को लीला मेडम ने फोन करके लड़की के गायब होने की सूचना दी। उसकी तलाश परिसर में शुरू हुई क्योंकि रात का समय था इसलिए प्रिया शुक्ला ने अपने पति पी0पी0 शुक्ला को भी बुला लिया और परिसर में रह रहे पीटीआई विजेन्द्र सिंह को फोन कर लड़की को ढूंढने में मदद करने के लिए बुलवाया। काफी समय तक जब पीटीआई बाहर नहीं आया तो शुक्ला मेडम ने पीटीआई के कमरे का दरवाजा खटखटाया कुछ देर के बाद पीटीआई विजेन्द्र कुमार ने दरवाजा खोला, उसे बताया गया कि छात्रावास की एक लड़की डेल्टा हॉस्टल से गायब है उसे तलाश करना है। पीटीआई विजेन्द्र सिंह भी इनके साथ हो गया, साथ ही उसने अपने कमरे का दरवाजा लगाते हुए प्रिया शुक्ला के उपर ढूंढने के लिए साथ चलने का दबाव बनाया । प्रिया शुक्ला को जब शक हुआ तो उन्होनें पीटीआई के कमरे का दरवाजा खोलकर जब लाईट जलाई तो यह लड़की डेल्टा उसके कमरे में मौजूद थी। पीटीआई से

जब पूछा गया कि यह लड़की यहां क्यूं और कैसे आई है तो पीटीआई ने कहा कि डेल्टा ने आंवले मंगवाये थे उन्हीं आवलों को लेने के लिए आई थी। उस समय रात के 1:30 बजे चुके थे। डेल्टा और विजेन्द्र ने अपनी गलती स्वीकार की और कहा कि आईन्दा ऐसी हरकत नहीं होगी। प्रिया शुक्ला और उनके पति पी0पी0शुक्ला ने दोनेां से माफी नामा लिखवाकर रात में ही मामले को रफा दफा करने की कोशिश की । 29 मार्च को सुबह 7 बजे लीला मेडम ने प्रिया शुक्ला को फिर सूचना दी कि रात को गायब हुई लड़की डेल्टा फिर से छात्रावास में नजर नहीं आ रही है। परिसर में फिर उसकी तलाश शुरू हुई, 11बजे करीब परिसर के चौकीदार हनुमान ने शुक्ला मेडम को बताया कि डेल्टा की लाश पानी की टंकी में पढ़ी हुई है। तब मेडम ने संस्था के चेयरमेन ईश्वर चन्द वेध को सूचित किया और पुलिस को बुलवाकर लाश टेंक से निकाली गई । संस्था के चौकीदार हनुमान टीम के सदस्यों को नहीं मिला अतः उसके बयान दर्ज नहीं किये जा सके। संस्थान ने वापस आते समय परिसर के मुख्यद्वार पर घांसीराम मेघवाल नाम का आदमी मिला जो संस्थान में मेसन कारीगरी का काम करता है। उसने बताया कि 15 दिन पहले ही संस्थान के चेयरमेन ईश्वर चन्द वेध ने कहा था कि बालिका छात्रावास के पास स्थित पानी का टेंक लीकेज हो रहा है इससे उसमें पानी नहीं ठहरता है। इस टेंक की तुम्हें मरम्मत करनी है। मैने पानी के टेंक की मरम्मत नहीं की और पता चला कि उस टेक में एक लड़की की लाश बरामद हुई।

नोखा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश हटीला से जब हमारी टीम मिलने पहुंची तो इन्होने बताया कि डेल्टा गम्भीर प्रवृति की बहुत समझदार लड़की थी अपने बीएसटी के लेसन प्लान उसने हमारे स्कूल में ही दिये थे, उसके पढ़ाने का तरीका बहुत अच्छा व प्रभावकारी था और बहुत मेहनत से अपने लेसन तैयार करती थी । यह लड़की चित्रकारी में महारथ रखती थी, राज्य की मुख्यमंत्री से प्रशंसा भी प्राप्त कर चुकी थी ऐसी छात्रा कभी भी आत्म हत्या नहीं कर सकती। बढ़ी दुर्भाग्य पूर्ण घटना घटित हुई,इससे दलित समाज की छात्राओं में असुरक्षा की भावना पनपेगी, हमारी मांग है कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

mijkDr fooj.k ls tks rF; mHkjdj gekjs lkeus vk;s gSa os bl izdkj gSa –

1. 28 मार्च को घटित घटना पर प्रिया शुक्ला उसके पति व अन्य स्टॉफ के सदस्य पर्दा नही डालते व तुरन्त पुलिस व संस्थान के जिम्मेदारों को सूचित करते तो डेल्टा को मरने से बचाया जा सकता था।
2. गर्ल्स छात्रावास की वजह से किसी भी ऐसे परिवार या ऐसे व्यक्ति को कमरा दिया जाना जिसकी पत्नि न हो संस्था प्रशासन की भारी गलती की श्रेणी में आयेगा।

3. 29मार्च को सुबह 7 बजे के लगभग जब दुबारा डेल्टा के गायब होने की सूचना प्रिया मेडम को मिली तो हॉस्टल वार्डन होने की जिम्मेदारी निभाते हुए तुरन्त संस्थान के जिम्मेदारों को व कॉलेज के प्रिंसीपल महोदय एवं प्रशासन को इसकी सूचना न दिया जाना पूरे मामले को संदिग्ध बना रहा है।

4. जिस पानी के टेंक में डेल्टा मृत पाई गई उसकी गहराई 6 फिट है। महत्वपूर्ण बात यह है कि टेंक पूरी तरह कवर्ड है, मात्र डेड बाई डेड फुट की साईज का हॉल है जिस पर ढक्कन लगा हुआ है एवं उसके कुन्दे में ताला लगाने की पूर्ण व्यवस्था है एवं एक पुराना ताला भी टीम ने लगा देखा सुरक्षा की दृष्टि से वार्डन और संस्था संचालकों द्वारा कुण्ड के ढक्कन को ताला न लगाना गम्भीर लापरवाही है।

5. कुण्ड के मुंह व गहराई के आधार पर यह सम्भव नहीं है कि 5फुट 4 इंच की मजबूत ढीलढोल वाली 17 वर्षीय छात्रा डेल्टा टेंक में उतरी हो।

6. पुलिस द्वारा शव निकालते समय विडियोग्राफी नहीं करवाई गई और ना ही मौके पर लाश का पंचनामा बनाया गया।

7. लाश निकाली जाने के बाद प्रत्यक्षदर्शी प्रेस रिपोर्टर पवन कुमार ने स्वयं लाश के फोटो लिये लाश पर जख्म थे व कान से खून बह रहा था। डूबने से हुई मौत में कान से खून का बहना संदेह उत्पन्न करता है।

8. डेल्टा एक गरीब दलित परिवार की बेटी है जिसका राजनैतिक आधार न होने से संस्था संचालक मामले को दबाने के प्रयास कर सकते हैं।

इन सभी तथ्यों को देखते हुए एनसीएचआरओ की टीम इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि मृतक डेल्टा ने आत्महत्या नहीं की है उसकी मौत गम्भीर संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है जिसकी जांच निष्पक्ष तरीके से स्वतंत्र ऐजेन्सी द्वारा करवाई जानी चाहिए। हमारी टीम यह भी मांग करती है कि इस मामले की जांच यदि सीबीआई द्वारा करवाई जायेगी तो सारे रहस्यों से पूर्णतः पर्दा उठ सकता है।

एनसीएचआरओ का मानना है कि शिक्षण संस्थान व हॉस्टल में रह रही हमारी बेटियों का जीवन अत्यन्त खतरे में है यदि दोषियों को उचित व शीघ्र दण्ड न दिया जायेगा तो हमारी कई पीढ़ी विशेष कर हमारी बेटियों की इज्जत की रक्षा सम्भव नहीं हो सकेगी।